GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION OCTOBER-2018

YOGA : HISTORY & PHILOSOPHY

Date :- 22-10-2018
Monday

Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

Instructions: 1. Every question is compulsory.
प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है।
2. Every question bears the marks written on the right side.
प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गये हैं।

SECTION-A

1. Write the Aims and Objectives of Yoga and importance of Yoga in Modern Social System. 10
योग के हेतु एवं उद्देश्य लिखें तथा वर्तमान समाज व्यवस्था में उसका महत्व प्रदर्शित करें।

2. Answer any one out of two questions.: 10
(A) Describe the Philosophical aspects of Yoga as per Yoga Vasistha.
योगवशिष्ठ में दिये गये योग के दार्शनिक पक्ष का विरण करें।
(B) As per your view describe about the useful streams of Yoga in student life with logical reason.
आपके मतानुसार विद्यार्थी जीवन में उपोयगी योग की शाखाओं का सकारण वर्णन करें।

3. Answer any Four out of five questions. 20
A. Write a short note : Jnan Yoga.
टिप्पणी करें - ज्ञानयोग।
B. Write a short note : Raja Yoga.
टिप्पणी करें - राजयोग।
C. Write about the evoluation of Yoga.
योग के विकास के बारे में लिखें।
D. Prevailing misconceptions about Yoga.
योग सम्बन्धित प्रचलित गलतफहमीयाँ।
E. Derscribe the Yoga of Maditation.
आत्म संयम योग का वर्णन करें।

4. Answer any Five of the following : 10
A. Explain the word - 'Hatha Yoga'.
'हठयोग' शब्द समजाएँ।
B. Explain - Shraddhatraya Vibhaga Yoga.
श्रद्धात्रय विभाग योग समजाएँ।
C. Write the etimology and derivation of Yoga.
योग की व्युत्पत्ति एवं निरुक्ति लिखें।
D. Define Laya Yoga.
लय योग को व्याख्यायित करें।
E. Define Rutambharaprajana.
'ऋतुंभरा प्रज्ञा' को व्याख्यायित करें।
F. Gunatitais mentioned in which chapter of Shrimad Bhagvad Geeta ?
गुणातीत का वर्णन श्रीमद् भगवद् गीता के किस अध्याय में है ?

P.T.O.

SECTION-B

5. Explain the Role of Yoga in holistic personality development in detail. 10
योग का सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास में अनुदान विस्तारपूर्वक समजाइये।

6. Answer any one out of two questions.: 10

(A) Explain the relation between types of Sadhaka and sucess in Yogic practice accordingly.
साधक के प्रकार का योगाभ्यास में सफलता के साथ सम्बन्ध समजाइये।

(B) Describe the Nadis according to Shiv Samhita.
शिव संहिता के मतानुसार नाडियों का वर्णन करें।

7. Answer any Four out of five questions.: 20

A. Write a short note on : 29 special sites of the body.
टिप्पणी करें - शरीर के २९ महत्वपूर्ण स्थान।

B. Explain the relation of Man and Vayu.
मन और वायु का सम्बन्ध समजाइये।

C. Write the signs of nadi Shuddhi.
नाडी शुद्धि के लक्षण लिखें।

D. Write a short note on : Manipura Chakradhyan.
टिप्पणी करें - मणिपुर चक्र ध्यान।

E. Write a short note on : Importance of Hatha Pradipika.
टिप्पणी करें - हठप्रदीपिका का महत्व।

8. Answer any Five of six questions.: 10

A. Enlist total numbers of Nadis as per different texts.
विविध योग संहिताओं के मतानुसार शरीर में कुल कितनी नाडियाँ हे ? सूचिबद्ध करें।

B. What is the meaning of 'Aayama' in Pranayama ?
प्राणायाम में 'आयाम' का अर्थ क्या है ?

C. What is Pratyahar ?
प्रत्याहार क्या है ?

D. Enlist the Ashtamahasiddhi.
अष्टमहासिद्धि को सूचिबद्ध करें।

E. Write the site and importanceof Kundalini.
कुण्डलिनी का स्थान और महत्व लिखें।

F. Enlist the types of Dhyan as per Gherand Samhita.
महर्षि घेरण्ड के मतानुसार ध्यान के प्रकार सूचिबद्ध करें।

◆◆◆◆◆

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION OCTOBER-2018

YOGA : PRACTICE & THERAPY

Date :- 23-10-2018
Tuesday

Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

सूचना : १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है। Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION - A

1. बाहु से अंगुली तक के सूक्ष्म व्यायाम की तकनीक एवं चिकित्सकीय उपयुक्तता का सविस्तार वर्णन करें। 10
Describe Sukshmavyayam of Upper arm to finger with technique and their therapeutic uses in detail.

2. योगिक स्थूल व्यायाम की तकनीक एवं निषेध वर्णित करें। 10
Describe Yogic Sthul Vyayam with technique and their C.I.

OR

हृद्धौति का सविस्तार वर्णन करें।
Describe Hrid Dhauti in detail.

3. Write short notes on any **Four** of the following : 20

A. गरुडासन की विधि, शरीरक्रियात्मक प्रभाव एवं निषेध।
Technique and Physiological effect of Garudasan with C.I.

B. समझाएँ : 'प्रयत्न शैथिल्यात् अनंत समापत्तिभ्याम्।' किसके संदर्भ में है ?
Explain : 'प्रयत्न शैथिल्यात् अनंत समापत्तिभ्याम्।' to context.

C. योगाभ्यास का कालक्रमिक विकास।
Chronological development of Yoga practice.

D. सूर्यनमस्कार का चक्रों पर प्रभाव।
Effect of Surya Namaskar on Chakras.

E. उदरशक्ति विकासक सूक्ष्मव्यायाम की चिकित्सकीय उपयोगिता एवं निषेध।
Therapeutic utility and C.I. of Udar Shakti Vikasak Sukshma Vyayam.

4. Answer any **Five** of the following : 10

A. कुक्कुटासन की विधि लिखें।
Write the technique of Kukkutasan.

B. वातक्रम कपालभांति की विधि लिखें।
Write the technique of Vatkram Kapalbhati.

C. कर्णशक्ति विकासक क्रिया की विधि लिखें।
Write the technique of Karna Shakti Vikasak Sukshma Vyayam.

D. सूत्रनेति के दो-दो उपयोग एवं निषेध सूचिबद्ध करें।
Enlist two-two uses and C.I. of Sutraneti.

E. नौलिक्रिया की विधि लिखें।
Write the technique of Naulikriya.

F. योगाभ्यास के सामान्य नियमों को सूचिबद्ध करें।
Enlist general rules of Yoga practices.

P.T.O.

SECTION - B

5. स्वरोदय विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त, विधि एवं वैज्ञानिक आयाम स्पष्ट करें। 10
Clarify Basic Principles, techniques and scientific appraisal of Svaroday Vijnan.

6. ध्यान की प्राचीन पद्धतियों का वर्णन करें। 10
Describe ancient techniques of Dhyan.

OR

प्राणायाम का श्वसनसंस्थान पर प्रभाव वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाएँ।
Explain the effect of Pranayam in Respiratory Disorders Scientifically.

7. Write short notes on any **Four** of the following : 20

A. महामुद्रा।
Mahamudra.

B. संदर्भ सहित समझाएँ : ततः क्षीयते प्रकाशावरणम्।
Explain : ततः क्षीयते प्रकाशावरणम्। to context.

C. अनुलोम-विलोम के जरिये जीवन का संतुलन।
Balance of life through Anulom-Vilom.

D. प्राणायाम और श्वसन व्यायाम के बीच का अंतर।
Difference between Pranayam and other breathing exercises.

E. उर्ध्वजत्रुगत व्याधियों के लिये जालंधरबंध।
Jalandharbandha for supra clavicular ailments.

8. Answer any **Five** of the following : 10

A. खेचरी मुद्रा को व्याख्यायित करें।
Define Khechari Mudra.

B. अधोधारणा मुद्रा को तकनीक सहित व्याख्यायित करें।
Define Adhodharana Mudra with it's technique.

C. स्मृतिवर्धन के लिये किन्हीं चार उच्च योगाभ्यास को सूचिबद्ध करें।
Enlist four advanced Yoga practices to boost up memory.

D. मातंगिनी मुद्रा को तकनीक सहित व्याख्यायित करें।
Define Matangini Mudra with it's technique.

E. ट्रान्सेन्डेन्टल ध्यान के स्थापक का नाम लिखें।
Name the founder of Transcendental meditetion.

F. प्रत्याहार को व्याख्यायित करें।
Define Pratyahar.

◆◆◆◆◆

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION OCTOBER-2018

NATUROPATHY : HISTORY, PHILOSOPHY & PRINCIPLES

Date :- 24-10-2018
Wednesday

Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है । Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION-A

1. सांप्रत समय में निसर्गोपचार का महत्व समझाएँ । 10
Explain the importance of Nisargopachara in the present era.

2. पाश्चात्य निसर्गोपचार के प्रादुर्भाव एवं इतिहास का वर्णन करें । 10
Describe the origin and history of Western Naturopathy.

OR

कायाकल्प का प्राकृतिक नियम समझाएँ ।
Explain the Nature's Law of Rejuvenation.

3. Write short notes on any **Four** of the following : 20
   A. होमियोपथी अनुसार व्याधि की अवधारणा ।
   Concept of disease according to Homeopathy.
   B. आचार रसायन ।
   Achara Rasayana.
   C. पाश्चात्य निसर्गोपचार में ऐसक्युलापियस का प्रदान ।
   Contribution of Aesculapius to Western Naturopathy.
   D. भारतीय निसर्गोपचार में श्री एच. के. बखरु का प्रदान ।
   Contribution of Shri H. K. Bakhru to Indian Nisargopachara.
   E. भारतीय निसर्गोपचार में श्री जयंति ठाकोर का प्रदान ।
   Contribution of Shri Jayanti Thakor to Indian Nisargopachara.

4. Answer any **Five** of the following : 10
   A. नैसर्गिक अनूर्जता किसे कहते है ?
   What is meant by natural immunity ?
   B. दातून चयन करने में दोषज्ञान की क्या उपादेयता है ?
   What is the utility of the knowledge of Doshas in selection of a twig ?
   C. संध्याकाल में वर्जित कर्मों को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the activities prohibited during Sandhyakala.
   D. जृम्भा वेग के धारण करने से कौन सी व्याधियाँ होतीं हैं ?
   Which disorders occur due to suppression of the urge of yawning ?
   E. डॉ. बेनेडिक्ट लस्ट द्वारा प्रणित निसर्गोपचार की अवधारणाओं को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the concepts of Naturopathy forwarded by Dr. Benedict Lust.
   F. श्री सुखबीर सिंघ का निसर्गोपचार में क्या प्रदान है ?
   What is the contribution of Shri Sukhabir Singh to Nisargopachara ?

[P.T.O.]

SECTION-B

5. महात्मा गांधीजी के विचारों के आधार पर निसर्गोपचार एवं अर्थतंत्र का सहसंबंध समझाएँ । 10
Explain the relationship of Nisargopachara and economics based on Gandhian concepts.

6. सर हेन्रि लिण्डल्हार के मतानुसार 'व्याधि प्रतिरोध एवं चिकित्सा' की अवधारणा समझाएँ । 10
Explain the concept of 'disease – prevention and cure' as per Sir Henry Lindlhar.

OR

डॉ. लुई कुह्ने के मतानुसार 'विजातीय द्रव्य सिद्धान्त' की अवधारणा समझाएँ ।
Explain the concept of 'foreign matter theory' as per Dr. Louis Kuhne.

7. Write short notes on any **Four** of the following : 20
   A. विषाक्तता सिद्धान्त ।
   Toxaemia theory.
   B. व्याधि एवं चिकित्सा की एकरुपता का सिद्धान्त ।
   Theory of unity of disease and unity of cure.
   C. आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के दृष्टिकोण से शोथ की अवस्थाएँ ।
   Stages of inflammation according to modern medical science.
   D. स्वास्थ्य प्राप्ति समय संकट व्यवस्थापन ।
   Management of healing crisis.
   E. महिलाओं के लिए प्राकृतिक गर्भनिरोधक पद्धतियाँ ।
   Natural contraceptive methods for females.

8. Answer any **Five** of the following : 10
   A. उपस वृक्ष क्या है ?
   What is Upas tree ?
   B. नियतकालिकता सिद्धान्त क्या है ?
   What is the Law of periodicity ?
   C. औषध प्रतिक्रिया के बाह्य कारणों को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the extrinsic causes of drug reaction.
   D. टीकाकरण के किन्हीं चार प्रभावों को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist any four effects of vaccination.
   E. प्रार्थना के उद्देश्य क्या हैं ?
   What are the objectives of prayer ?
   F. पुरुषों के लिए प्राकृतिक गर्भनिरोधक पद्धतियाँ सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the natural contraceptive methods for males.

*****

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION OCTOBER-2018

NATURAL THERAPEUTICS

Date :- 25-10-2018 Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Thursday Total Marks :- 100

सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है । Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION-A

1. भाप स्नान की विधियाँ और शारीरक्रियात्मक प्रभावों का वर्णन करें। 10
Describe the procedures and physiological effects of Steam Bath.

2. सूर्य स्नान के प्रकार, शारीरक्रियात्मक प्रभाव एवं उसके योग्य-अयोग्य का वर्णन करें। 10
Describe the types, physiological effects, indications and contraindications of Sun Bath.

OR

निरग्नि स्वेद के प्रकार, शारीरक्रियात्मक प्रभाव एवं उसके योग्य-अयोग्य का वर्णन करें।
Describe the types, physiological effects, indications and contraindications of Niragni Sweda.

3. Write short notes on any **Four** of the following : 20
   A. कटि स्नान का शारीरक्रियात्मक प्रभाव ।
   Physiological effects of Hip Bath.
   B. मर्दन के योग्य और अयोग्य ।
   Indications and contraindications of Massage.
   C. पूर्ण गीली लपेट के शारीरक्रियात्मक प्रभाव ।
   Physiological effects of Full Wet Sheet Pack.
   D. मोम स्नान के प्रभाव ।
   Effects of Wax Bath.
   E. उपवास के शारीरक्रियात्मक प्रभाव ।
   Physiological effects of Fasting.

4. Answer any **Five** of the following : 10
   A. मृत्तिका चिकित्सा के प्रकारों को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the types of Mud Therapy.
   B. उपवास के प्रकारों को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the types of Fasting.
   C. बस्ति के अयोग्य को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the contraindications of Enema.
   D. मर्दन की विधियाँ सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the techniques of Massage.
   E. चिकित्सा प्रयोगार्थ मृत्तिका तैयार करने की विधि संक्षिप्त में लिखें ।
   Write the technique of preparing the Mud for Mud Therapy in brief.
   F. वायु सेवन के अयोग्य को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the contraindications of Vayu Sevana.

[P.T.O.]

SECTION-B

5. प्राकृतिक आहार के प्रकार एवं पक्व आहार से होनेवाले लाभ और हानि का वर्णन करें । 10
   Describe the types of natural diet and the advantages and disadvantages of the cooked food.

6. कायरो प्रेकटिस का वर्णन करें । 10
   Describe Chiro Practice.

   OR

   रंग चिकित्सा का वर्णन करें ।
   Describe Chromo Therapy.

7. Write short notes on any **Four** of the following : 20
   A. स्वस्थ व्यक्ति के लिए आहार संरचना ।
      Planning of diet for healthy person.
   B. चुम्बक चिकित्सा के शारीरक्रियात्मक प्रभाव ।
      Physiological effects of Magnet Therapy.
   C. वायब्रेटर चिकित्सा के शारीरक्रियात्मक प्रभाव ।
      Physiological effects of Vibrator Therapy.
   D. फलाहार के लाभ ।
      Benefits of Fruit Diet.
   E. अंकुरित धान्य के लाभ ।
      Benefits of Sprouts.

8. Answer any **Five** of the following : 10
   A. हरे रंग के अयोग्य को सूचिबद्ध करें ।
      Enlist the contraindications of Green Colour.
   B. मेनिप्युलेटिव थेरपि किसे कहते है ?
      What is meant by Manipulative Therapy ?
   C. कंपन संख्या भेद से वाईब्रेटर के प्रकारों को सूचिबद्ध करें ।
      Enlist the types of Vibrator according to their frequencies.
   D. संतुलित आहार की व्याख्या करें ।
      Define Balanced Diet.
   E. एक्युप्रेशर चिकित्सा के प्रकारों को सूचिबद्ध करें ।
      Enlist the types of Acupressure Treatments.
   F. पार बैंगनी चिकित्सा के उपयोग लिखें ।
      Write the uses of Ultra Violet Therapy.

*****

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION OCTOBER-2018

MANAGEMENT OF DISEASES THROUGH YOGA AND NATUROPATHY

Date :- 26-10-2018 Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Friday Total Marks :- 100

सूचना : १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है। Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION - A

1. निसर्गोपचारीय चिकित्सा सिद्धान्तों का विस्तार से वर्णन करें। 10
Describe the therapeutic Principles of Naturopathy in detail.

2. योगिक निदान प्रक्रिया एवं परामर्श के महत्व का वर्णन करें। 10
Describe the methods of Yogic diagnosis and importance of counselling.

OR

निसर्गोपचार के अनुसन्धान की पुरी प्रक्रिया का वर्णन करें।
Describe the whole process of Research in Naturopathy.

3. Write short notes on any **Four** of the following : 20
   A. त्रिगुण एवं मनोरोग के बीच सम्बन्ध।
   The relationship between Triguna and Psychological diseases.
   B. योगिक चिकित्सा सत्र में उपचार के क्रम का महत्व।
   Importance of sequence of treatment in Yogic therapy sessions.
   C. नाभिच्युति के लक्षण।
   Symptoms of displaced Nabhi.
   D. निदान प्रक्रिया के सोपान।
   Steps of diagnosis.
   E. विषाद में वर्ण निदान।
   Chromo diagnosis in Despression.

4. Answer any **Five** of the following : 10
   A. प्राचीन और नव्य निसर्गोपचार में क्या भेद है ?
   What is the difference between traditional and Neo Naturopathy ?
   B. योग और आयुर्वेद के बीच क्या साम्यता है ?
   What is the similarity between Yoga and Ayurveda ?
   C. श्वास रोगी में आईरिश निदान लिखें।
   Write the Iris diagnosis in Asthamatic patient.
   D. स्वर परीक्षा का संदर्भ लिखें।
   Write the reference of Swara (breath) diagnosis.
   E. व्याधि क्या है ?
   What does mean by Vyadhi.
   F. संक्रमणजन्य रोगों में योगिक चिकित्सा कारगत हो सकती है ?
   Can Yogic treatment be effective in infectious diseases ?

P.T.O.

SECTION - B

5. प्रमेह का आधुनिक निदान विकृति सह वर्णन कर आगत-अनागत सम्पूर्ण चिकित्सा उपाय लिखें। 10
Describe the etio-pathology and write the complete preventive-curative management of Prameha.

6. श्वास की सम्प्राप्ति, चिकित्सासूत्र एवं सम्पूर्ण चिकित्सा समझाएँ। 10
Explain the pathology, line of treatment and complete management os Shwasa.

OR

रसवह स्रोतस् के किन्हीं दो व्याधियों की सम्पूर्ण चिकित्सा का वर्णन करें।
Describe the complete treatment of any two diseases of Rasavaha Srotasa.

7. Write short notes on any **Four** of the following : 20

A. छर्दि सम्प्राप्ति एवं निसर्गोपचारीय चिकित्सा।
Pathology and Naturopathic treatment of Chhardi.

B. जलोदर आधुनिक सम्प्राप्ति एवं योगिक चिकित्सा।
Modern pathology and Yogic treatment of Jalodara.

C. शीतपित्त निदान-चिकित्सा।
Etiology and treatment of Shitapitta.

D. कुप्रसंगज रोगों की सामान्य योगिक चिकित्सा।
General Yogic treatment of Kuprasangaj diseases.

E. कामला के आयुर्वेद मत से भेद एवं निसर्गोपचारीय चिकित्सा।
Types of Kamala as per Ayurveda and its Naturopathic treatment.

8. Answer any **Five** of the following : 10

A. अतत्वाभिनिवेश क्या है ?
What does mean by Atatwabhinivesha ?

B. स्थौल्य का चिकित्सासूत्र लिखें।
Write the line of treatment of Sthaulya.

C. राज्यक्ष्मा और शोष में क्या भेद है ?
What is the difference between Rajyakshma and Shosh ?

D. उदकवह स्रोतस् के व्याधि कौन से है ?
Which are the diseases of Udakavaha Srotasa ?

E. हृदयाभिघात के रोगी की आत्ययिक चिकित्सा लिखें।
Write the emergency treatment of patient of Hridayabhighata.

F. अन्नवह स्रोतस् का सामान्य चिकित्सासूत्र क्या है ?
What is the common line of treatment of Annavaha Srotasa ?

◆◆◆◆◆